,dy ukjh dh vkokt

vad % 25] ekg % ekp] o"kZ % 2011] futh iz;kstu grq

राज्य स्तरीय सदस्य सम्मेलन में बहनों ने दिखाया जोश

प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार संगठन द्वारा राज्य स्तरीय सदस्य सम्मेलन आयोजित किया जाता है। इस सम्मेलन में एकल महिलाओं की समस्याओं और वर्तमान में परिवार में उनकी स्थिति को जानना व समझना और उनकी समस्याओं का समाधान कर सहायता करना, एकल महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने व सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए प्रयास करना, संगठन क्या है? क्यों जरूरी है? इसका महत्व व इतिहास जानना, महिला कानूनों को जानना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, परित्यकता महिलाओं की समस्याओं को सरकार के सामने उजागर करना व रणनीति बनाना साथ ही मुस्लिम महिलाओं की विशेष समस्याओं को जानने जैसे मुख्य उद्देश्यों को लेकर इस बार संगठन की ओर से चौथा राज्य स्तरीय सदस्य सम्मेलन सेवा सदन, जयपुर में दिनांक 01 से 03 फरवरी 2011 को आयोजित किया गया।

सम्मेलन में देवली, निवाई, बस्सी, टोंक शहर, दूदू व जयपुर से बहनों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया साथ ही 30 जिलों के राज्य स्तरीय कमेटी सदस्यों, कार्यकारिणी सदस्यों व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित लगभग 450 संभागियों ने जोश के साथ भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन समाज कल्याण विभाग की सचिव अदिती मेहता द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि का स्वागत तिलक लगाकर व माला पहना कर किया गया। मुख्य अतिथि अदिति मेहता ने अपने उद्बोधन में कहा कि बीस साल पहले एकल महिलाओं का कोई सम्मेलन देखने को नहीं मिलता था। अकेली औरत को गांव में सामाजिक व मानसिक प्रताड़ना सहनी पड़ती थी, लेकिन अब एकल नारी शक्ति संगठन से जुड़कर महिलाओं में परिवर्तन आया है। उन्होंने पालनहार योजना के बारे में बताते हुए कहा कि 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों को पालनहार का लाभ मिल सकेगा व नाते गई हुई महिलाओं के बच्चों को भी पालनहार योजना का लाभ मिल सकेगा लेकिन उसके लिए ग्राम पंचायत को बताना होगा कि उस महिला को नाते गए एक साल से अधिक हो गया है। उन्होने बताया कि तलाक की पुष्टि होने पर मुस्लिम महिलाओं को भी यह लाभ मिलेगा, उन्होंने कहा कि हर कार्य के लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान बने हुए हुए हैं। मुख्य अतिथि अदिती मेहता ने सम्मेलन में उपस्थित बहनों से उनकी समस्याओं के बारे में जाना और विस्तार से समाधान बताते हुए बहनों से चर्चा की।

इसके बाद संस्थान की सचिव छग्गी बाई द्वारा बताया गया कि राजस्थान के अलावा संगठन हिमाचल प्रदेश, झाड़खंड, बिहार, महाराष्ट्र और गुजरात में एकल महिलाओं के लिए सक्रियता से कार्य कर रहा है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग सचिव अदिती मेहता व साथ में हैं डॉ. जिनी श्रीवास्तव व सचिव छग्गी बाई

वातावरण में जोश भरने के लिए समन्वयक चन्द्रकला शर्मा व समूह द्वारा एक गीत ''मैं तुमको विश्वास दूं तुम मुझको विश्वास दो'' गाया गया। गीत के बाद सभी महिलाओं ने ''एकल नारी शक्ति जिन्दाबाद'' और ''बन जा बहना झांसी रानी, खत्म करो ये जुल्म कहानी'' आदि नारे लगा कर सम्मेलन स्थल को गुंजायमान कर वातावरण में जोश का संचार किया। संभागियों के परिचय के बाद महिलाओं की समस्याओं के बारे में जानने के लिए छोटे–छोटे समूह के द्वारा निकल कर आई समस्याओं में से मुख्य समस्याओं को एक बड़े समूह के माध्यम से निकाला गया। फिर इन समस्याओं के कारण और समाधान के लिए विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा में सरकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं को नहीं मिलने, महिलाओं को विधवा पेंशन नहीं मिलने व ससुराल में जमीन व सम्पत्ति में अपना हक नहीं मिलने

– शेष पृष्ठ : 2 पर

ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण आयोजित

संगठन की ओर से इस बार 6 स्थानों पर ब्लॉक कमेटी प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें काफी संख्या में महिलाओं ने बड़े जोश के साथ भाग लिया। इस बार संगठन की ओर से छः प्रशिक्षण आयोजित किये गये जो निम्न क्रम से हैं:–

प्रथम प्रशिक्षण : दिनांक 26–29 दिसम्बर 2010, स्थानः पुष्करणा भवन, पाली, ब्लॉक : मारवाड़ जंक्शन, रायपुर, सोजत, पुष्कर, केलवाड़ा, आमेट। संभागी : 124

द्वितीय प्रशिक्षण : दिनांक : 5–8 जनवरी 2011 स्थान : जाट विश्राम स्थली पुष्कर, अजमेर, ब्लॉक अजमेर, रेलमगरा, किशनगढ़, जवाजा। संभागी : 84

तृतीय प्रशिक्षणः दिनांक 23–26 फरवरी 2011 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर, ब्लॉकः धरियावाद, सराड़ा, गोगुंदा, गंगरार, खेरवाड़ा। संभागी : 90

चतुर्थ प्रशिक्षण– दिनांक 24–27 दिसम्बर 2010, स्थान : तापड़िया बगीची के पास, सीकर ब्लॉक : दातारामगढ़, पिपराली, श्रीमाधोपुर, दूदू, बस्सी, जयपुर शहर। संभागी : 64

पंचम प्रशिक्षण– दिनांक : 24–27 फरवरी 2011 स्थान : हरिसेवा धर्मशाला, भीलवाड़ा, ब्लॉक : कोटड़ी, शाहपुरा, बन्देड़ा, जहाजपुर, हुरड़ा, हिण्डोली । संभागी : 110

छटा प्रशिक्षण : – दिनांक : 03–06 मार्च 2011 स्थान : जानकी बाई गेस्ट हाउस, टोंक। ब्लॉकः निवाई, देवली, टोंक शहर, टोंक ब्लॉक, लालसोट, दूदू। संभागी : 96

प्रशिक्षणों में संभागियों ने हम भारत की नारी हैं, फूल नहीं चिंगारी हैं, ''हम अपना अधिकार जानते, नहीं किसी से भीख मांगते'', ''बहना चैत सके तो चैत, जमानों आयो चेतन रो'' जैसे गीत गाये व नारे लगाये। महिलाओं में आत्मविश्वास लाने और उनके मन की झिझक निकालने के लिए उनका परिचय माईक के माध्यम से करवाया गया। बहनों ने छोटे समूहों में अपनी समस्याओं पर चर्चा की और समस्याओं को सुलझाने में अपने–अपने सुझाव भी दिये। जिससे महिलाओं में हिम्मत बढ़ी। संगठन की शक्ति व एकता के बारे में बहनों को जानकारी देने के लिए रस्सी का उदाहरण देते हुए संगठन में रहने के बारे में बताया। प्रशिक्षणों में अलग–अलग शिक्षाप्रद रोल

–शेष पृष्ठ : 3 पर

lxBu dh enn ls feyh ikuh ckbZ dks tehu

पानी बाई गांव सिलौरा, जिला अजमेर की रहने वाली है। पानी बाई के तीन बेटे हैं जो अलग रहते हैं। पानी बाई ने अपनी एक बीघा जमीन के अलावा बाकी सारी जमीन तीनों बेटों में बराबर बांट दी। पानी बाई का बड़ा बेटा मास्टर है। लेकिन फिर भी वह पानी बाई से कहता की यह जमीन मुझे दे दे।

लेकिन पानी बाई ने उससे कहा कि मेरे पास जो जमीन का टुकड़ा है, जिस पर मैं अपना गुजारा चलाती हूँ उसे भी तू ले लेगा तो मेरे पास क्या रहेगा। जब तक मैं जीऊंगी तब तक यह हिस्सा मेरे पास ही रहेगा। एक दिन इसी बात पर पानी बाई के बेटे ने बहुत झगड़ा किया और पानी को घर से घसीटकर बाहर धक्का देकर गिरा दिया। जन्म देने वाली अपनी मां को उसने लात घूंसे भी मारे। पानी बाई दर्द के मारे जोर–जोर से रोने लगी। रोने की आवाज सुन कर वहां बहुत भीड़ जमा हो गई। यहां संगठन की सदस्य केली बाई और भोली बाई भी पहुंची। उन्होंने तुरन्त संगठन लीडर छग्गी बाई को फोन किया। इस पर छग्गी बाई ने कहा की मैं आऊं तब तक तुम लोग पानी बाई को लेकर थाने में रिपोर्ट लिखवा दो। संगठन का बिल्ला लगाकर दोनो संगठन सदस्य और पानी बाई थाने में गई। थाने में उन्होंने सारी घटना थानेदार के सामने बता दी इस पर पुलिस गांव में आ गई, लेकिन इससे पहले ही तीनों बेटे गांव से बाहर भाग गये। पुलिस वालों ने जाते समय पानी बाई की बहुओं से कहा की तुम्हारे आदमी जब भी आयें तो उन्हें थाने में भेज देना। गांव में वापस आने पर तीनों बेटों ने मिलकर गांवों के पंचों को इकट्टा कर लिया। इसी बीच छग्गी बाई भी गांव में पहुंच गई। इस पर पंचों ने छग्गी बाई से कहा कि बहन जी फैसला गांव के गांव में ही हो जाये तो अच्छा है, क्यों इससे पानी बाई के बड़े बेटे की नौकरी जाने का खतरा है। वे फैसला करने के लिए बार–बार कह रहे थे, इसलिए छग्गी बाई ने बात मान ली और पुलिस थाने में जाकर राजीनामा करवाया जिसमें यह लिखावाया गया की एक बीघा जमीन पर पानी बाई का ही हक रहेगा। अब पानी बाई को अपने संगठन पर गर्व हो रहा था। वो बहुत खुश थी और गांव वाले भी संगठन की चर्चा कर रहे थे।

पृष्ठ : 1 का शेष–

राज्य स्तरीय सदस्य सम्मेलन में बहनों ने....

जैसी अनेक मुख्य समस्याओं पर चर्चा की गई। इन समस्याओं के कारण के रूप में सामने आया कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं है। समाधान के रूप में सामने आया कि इन योजनाओं की जानकारी महिलाओं को दी जाए। सम्मेलन में बहनों द्वारा रोल प्ले के माध्यम से अपने अधिकारों को लेने के बारे में बताया गया।

डॉ0 जिनी श्रीवास्तव ने एकल नारी संगठन के इतिहास के बारे में बताया कि वर्ष 1999 में पूरे राजस्थान से करीब 450 गरीब विधवा महिलाएं जयपुर जिले के बस्सी कस्बे में एकत्रित हुई थी। जहां विधवा महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा हुई। यह विधवा महिलाओं का पहला सम्मेलन था। यहां महिलाओं की समस्याओं को देखते हुए संगठन बनाने का निर्णय किया। वर्ष 2004 में दूसरा सम्मेलन हुआ जिसमें विधवाओं के साथ परित्यक्ता महिलाओं की भी भागीदारी रही। इसके बाद समन्वयक चन्द्रकला शर्मा ने संगठन के उद्देश्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि आज 33,849 महिलाएं संगठन की सदस्य हैं। अकेले रहकर संघर्ष करना मुश्किल होता है इसलिए एकल महिलाओं को संगठन से जुड़ना चाहिए।

सम्मेलन में आये संदर्भ व्यक्तियों ने महिलाओं को विभिन्न समस्याओं के समाधान बताते हुए उन्हें विभिन्न जानकारियों से सराबोर किया। संदर्भ व्यक्तियों में श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव मनोहर कांत, आस्था संस्थान से श्याम पुरोहित, पी.यू.सी.एल. से कविता श्रीवास्तव और राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. पवन सुराणा ने भाग लिया। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष पवन सुराणा ने कहा कि जब तक खुद में आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति नहीं होगी कोई मदद नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ पुरूष महिलाओं को डाकन या डायन कहकर बदनाम करते हैं। उनकी शिकायत आयोग में करनी चाहिए। एडवोकेट प्रेम किशन शर्मा ने महिलाओं से जुड़े कानून की जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं के लिए बहुत से अधिकार कानून में मौजूद हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में वे उनका लाभ नहीं उठा पाती। इस अवसर पर श्रम व रोजगार विभाग के सचिव मनोहर कांत ने बताया कि समान काम व समान वेतन का अधिकार महिलाओं को संविधान में ही मिला हुआ है। उन्होंने महिलाओं को सरकार की ओर से दिये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी जानकारी दी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री भरतसिंह ने बताया कि महिलाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार प्रयासरत है। सरकार द्वारा जारी योजनाओं के प्रति महिलाओं को जागरूक होना पड़ेगा।

सम्मेलन में भाग लेने आये हॉलैंड निवासी ग्राहम भी इन महिलाओं का जोश देखकर दो शब्द कहे बिना रूक न सके। उन्होंने कहा कि उनके देश की एकल महिलाएं आर्थिक रूप से तो काफी सक्षम है मगर मानसिक रूप से सक्षम नहीं इसलिए एकता और एक–दूसरे के सुख व दुख में वहां की महिलाएं कम साथ देती हैं। यही वजह है यहां की महिलाएं मानसिक तौर पर अकेली नहीं है। सम्मेलन में जहां एक ओर महिलाओं ने घरेलू हिंसा, रोजी–रोटी का अधिकार, रोजगार गारंटी कानून और नरेगा के बारे में जानकारी हासिल की वहीं दूसरी ओर अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखने के लिए इन महिलाओं ने रैली निकाल कर अपनी समस्याओं का मांग पत्र मुख्यमंत्री को दिया। जिस तेजी से एकल नारी शक्ति संगठन का परिवार बढ़ा है जिससे यह लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब समाज द्वारा ठुकराया यह वर्ग अपने अधिकारों को प्राप्त कर सम्मान पूर्वक जिन्दगी जी सकेगा।

बहनों की सरकार से मांगें

– सभी गरीब विधवाओं, परित्यकताओं, सामाजिक सुरक्षा व अन्य सभी पेंशन योजनाओं में राशि 500 से बढ़ाकर 1000 रुपए हो। साथ ही इस राशि को मुद्रा स्फिति व महंगाई की दर से जोड़कर उसी अनुपात में हर वर्ष वृद्धि की जाये।

– सभी गरीब विधवा, एकल महिलाओं के बच्चों के लिए शिक्षा शुल्क व विकास शुल्क माफ किया जाए व स्नातक तक शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाए।

– सभी गरीब विधवा, एकल महिलाओं के नाम बीपीएल सूची में जोड़े जाये व पेंशन दी जाए।

– सरकार की परित्यक्ता महिलाओं की परिभाषा में वे महिलाऐं जो तीन वर्ष या ज्यादा समय से अपने पति से बिना किसी सहयोग के अलग रह रही हैं, प्रमाण के रुप में ऐसी महिलाओं को स्थानीय स्वशासन ईकाई द्वारा प्रमाण पत्र जो सरकारी कार्यों में जायज हो जारी किया जाए।

– पालनहार योजना में परित्यक्ता महिलाओं के बच्चों को भी जोड़ा जाए।

– अगर विधवा महिला के नाम पांच बीघा से अधिक जमीन है लेकिन वह फायदा नहीं उठा रही है तो उसे पेंशन मिलनी चाहिए। इसके लिए पटवारी या सरपंच द्वारा दिए गए प्रमाण पत्र को मान्य समझा जाए।

– सभी गरीब विधवा, एकल महिलाओं के निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा हेतु स्वास्थ्य कार्ड बनाने हेतु तुरन्त प्रभाव से आदेश पारित किए जाएं।

– महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के समान शहरी निकाय के लिए भी राष्ट्रीय शहरी रोजगार गारंटी योजना लागू की जाए।

– गरीब एकल महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण योजना, जिसमें आयु और शिक्षा की योग्यता नहीं हो लागू की जाए।

– महिलाओं को डाकन व डायन कहने के खिलाफ व इस बहाने से प्रताड़ित करने की रोकथाम के लिए सख्त कानून बनाया जाए।

कारवां बढ़ रहा है संगठन का

इस बार संगठन से जुड़ने वाले नये ब्लॉक व जिलों के रूप में उदयपुर कलस्टर से 2 नये ब्लॉकों का गठन किया गया। जिनमें बांसवाड़ा जिले में घाटोल ब्लॉक का व उदयपुर जिले में उदयपुर शहर का गठन किया गया। कोटा कलस्टर में जिला जयपुर से गोविन्द गढ़ ब्लॉक का गठन किया।

इस प्रकार संगठन अब राजस्थान में 30 जिलों व 122 ब्लॉकों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। इस प्रकार संगठन के विस्तार का कारवां ही जा रहा है। उक्त तीनों स्थानों पर बड़ी बैठक करके संगठन के बारे में जानकारी दी गई। जिनमें संगठन में रहने के लाभ, बिल्ला व रसीद की जानकारी, साथ ही एकल महिलाओं की समस्याओं का समाधान करने में संगठन के सहयोग के बारे में बहनों को बताया गया।

राज्य स्तरीय सदस्य बैठक आयोजित

इस बार राज्य स्तरीय सदस्य बैठक उदयपुर जिले के आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला में दिनांक 29–30 नवम्बर 2010 को आयोजित की गई। इस बैठक में 74 राज्य स्तरीय सदस्यों ने जोश के साथ भाग लिया। बैठक की शुरूआत में नारे लगाये व उत्साह के साथ संभागियों का स्वागत किया। बैठक में पिछले 4 माह के कार्यों का ब्यौरा रिपोर्ट पढ़कर दिया गया व विशेष केस स्टडी पढ़ कर सुनाई गई। रिपोर्ट से निकल कर आया कि 1007 नये सदस्य संगठन से जुड़ने से अब यह संख्या 33849 हो गई है। बैठक से एक दिन पूर्व संस्थान के कार्य कारिणी सदस्यों व पदाधिकारियों का चुनाव किया गया जिसमें अध्यक्ष मीरां पालीवाल, सचिव छग्गी बाई, उपाध्यक्ष विद्या बंसल, कोषाध्यक्ष कमल पथिक व इसके अलावा 7 कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया गया

बैठक का संचालन अध्यक्ष मीरां पालीवाल द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से पिछली लॉबिंग की रिपोर्ट पढ़ कर सुनाई गई व आगामी लॉबिंग हेतु ज्ञापन तैयार किया गया। एकल नारी की आवाज के रंग के बारे में तय किया गया कि इस बार सफेद रंग के कागज पर एकल नारी की आवाज छपवाना है। इसके पश्चात ब्लॉक कमेटी प्रशिक्षणों व जिला स्तरीय सदस्य सम्मेलन में आने वाले सदस्यों की संख्या पर चर्चा की गई कि प्रशिक्षणों में 5 ब्लॉक से आने वाले सदस्यों के स्थान पर अब 6 ब्लॉक से सदस्यों को शामिल किया जायेगा। 1 से 3 फरवरी 2011 को जयपुर में होने वाले राज्य स्तर सम्मेलन के बारे में चर्चा की गई । इसके बाद राज्य मंच व राष्ट्रीय आमसभा बैठक की रिपोर्ट सुशीला बड़ाला द्वारा पेश की गई। परित्यक्ता सम्मेलन की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई। जिसमें परित्यकता महिलाओं की स्थिति संबंधित मुद्दे जैसे आर्थिक स्थिति, बीमारी, बच्चों से संबन्धित मुद्दे, समाज की रूढिवादिता, हिंसा, सरकारी योजनाऐं, कानून, भावनात्मक पहलू, स्वयं के प्रति नजरिया व सपने पर प्रकाश डाला गया साथ ही बैठक में जयपुर में मजदूर सत्यागृह द्वारा मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर चर्चा की गई। बैठक के अंत में अगली राज्य स्तरीय बैठक करौली जिले में दिनांक 25–26 मार्च 2011 में करने का निर्णय लिया।

बहनों की मदद से मिली जीने की राह

मुफिसा सपोटरा ब्लॉक में ग्राम पंचायत बापोती की रहने वाली है। मुफिसा की उम्र 35 वर्ष से अधिक है। इसने मासिक बैठक में सदस्यों को बताया की बहन जी मैं शादी नहीं कर सकती हूँ। क्यों कि मेरे ऐसी बीमारी है कि मैं बता भी नहीं सकती। फिर सदस्यों ने उसे विश्वास दिलाया कि शरमाओ मत। तो उसने बताया कि वह आदमी के काम की नहीं है।

उसने बताया कि वह जयपुर के एसएमएस अस्पताल में गई थी। वहां पर उसने सभी जांचें करवाई। डाक्टर ने ऑपरेशन का खर्चा करीब 20 हजार रूपये बताया। लेकिन मुफिसा बहुत गरीब परिवार की होने के कारण उसके पास इतनी बड़ी राशि देने के लिए नहीं थी और डॉक्टर ऑपरेशन की कोई गारन्टी भी नहीं ले रहे थे कि ऑपरेशन ठीक हो जायेगा। वह उदास होकर वापस अपने घर पर चली आई। फिर बार–बार मासिक बैठक में वह ऑपरेशन के लिए बोलने लगी एक दिन संगठन की बहनों ने मासिक बैठक समाप्त होने के बाद मुफिसा को सपोटरा के सरकारी अस्पताल के डाक्टर को दिखाया और जयपुर की सारी रिपोर्ट डॉक्टर साहब को दिखाई। डॉक्टर साहब ने उसकी मशीन से जांच की और ऑपरेशन करने के लिए हॉ कर दिया। संगठन की बहनों ने उसका बीपीएल कार्ड व उसकी गरीबी के बारे में डाक्टर साहब को बता दिया।

डॉक्टर साहब बामंड के यहां मुफिसा का प्लास्टिक सर्जरी ऑपरेशन मात्र 2000 रूपये में करवाया गया। उसका ऑपरेशन सफल रहा। अब मुफिसा बहुत खुश है। और संगठन की बहने भी बहुत खुश है। अब डाक्टर साहब ने मुफिसा से कहा की वह शादी कर सकती है और अपना परिवार बसा सकती है।

पृष्ठ : 1 का शेष, **ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण .....**

प्ले व सफल केसों के माध्यम से बहनों को सीखने को मिला की हम भी संगठन के माध्यम से संघर्ष करके अपने अधिकार ले सकते है। प्रशिक्षणों में संदर्भ व्यक्तियों के रूप में आये जिला प्रमुख, थानाधिकारी, वकील, डॉक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एक्सईएन, रसद अधिकारी ने अपने विभाग से संबन्धित जानकारियों को संभागियों के सामने रखा व उनकी समस्याओं को सुनकर उन समस्याओं के समाधान भी बताये। जानकारियों में जमीन में अधिकार व अंतकाल खाता की जानकारी, महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, विकास योजनाओं की जानकारी, रोजगार गारन्टी व सूचना के अधिकार व पंचायती राज व्यवस्था व भागीदारी, महिलाओं से संबन्धित कानून की जानकारी व घरेलू हिंसा कानून, जमीन व संपत्ति में अधिकार आदि के बारे में विभिन्न जानकारियां दी गई। प्रशिक्षण के अंत में थाना भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें महिला डेस्क, रिपोर्ट लिखवाना व रिपोर्ट लिखवाते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए के बारे में जानकारी मिली। कुछ महिलाओं ने बताया कि पहले थाने में जाने से हमें डर लगता था लेकिन अब वो डर निकल गया है। प्रशिक्षणों में रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये व मेहन्दी, बिन्दी लगाकर सामाजिक कुरूतियों पर प्रहार किया गया।

विधवा/परित्यकता मुख्यमंत्री सम्बल योजना

विधवा/परित्यकता मुख्यमंत्री सम्बल योजना के तहत सरकारी खर्च पर विधवा और परित्यकता महिलाओं को बी.एस.टी.सी. और बी.एड़. की योग्यता अर्जित करने की निशुल्क सुविधा दी जायेगी।

बी.एस.टी.सी के लिये 12 वीं पास विधवा/परित्यकता महिलायें डाईट, चूनावढ़ और बी.एड. के लिये स्नातक पास विधवा/परित्यकता महिलायें राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पास कर इस योजना का लाभ ले सकती है। यह घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा 2011–12 के बजट सत्र के अन्दर की गयी है।

संगठन की बहनों को मिलते सम्मान

जैसलमेर जिले की रहने वाली मीरां पालीवाल पिछले कई समय से संगठन के साथ जुड़कर लगातार एकल महिलाओं के साथ निःस्वार्थ भावना से कार्य कर रही हैं। वर्तमान में एकल नारी शक्ति संस्थान की अध्यक्ष भी है। पूर्व में सचिव पद पर रहते हुए भी इन्हें अपने क्षेत्र में कराये गये अच्छे कार्यों के लिए पंचायत, विद्यालय व अन्य संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसी कम में दिनांक 08.03.2011 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय समता स्वतंत्र मंच द्वारा जयपुर में सम्मानित किया गया।

इस प्रकार संगठन की बहनों को मिलने वाली यह पहचान अन्य बहनों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच कमेटी प्रशिक्षण

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच कमेटी के लिये दिनांक 4–6 जनवरी 2011 को तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, झारखण्ड़, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश राज्य के राष्ट्रीय कमेटी सदस्यों ने भाग लिया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में लोक केन्द्रित और अधिकार आधारित पैरवी और मीड़िया एडवोकेसी/वकालत के बारें में एनकेस, पूणे से लता जी द्वारा सन्दर्भ प्रदान किया गया, जिसमें बताया कि किसी मुद्दे को लेकर पत्रकारों व अन्य माध्यमों से जानकारी देते व जन वकालत करतें हैं।

इसके लिये पैम्फलेट, केस स्टडी, बैठक, रैली, धरना, प्रदर्शन इत्यादि माध्यम अपनातें हैं। किसी भी मुद्दे पर आंकडो सहित खबर स्थानीय, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर तक मीड़िया के माध्यम से ले जा सकतें है और मुद्दे को जन–जन तक पहुंचा सकतें है। एनकेस से अमित जी द्वारा केन्द्रिय सरकार के प्रशासनिक ढ़ांचा, ससंद के दो सदन– लोकसभा, राज्यसभा, ससंद में सत्र के दौरान कार्य करने की प्रकिया की जानकारी, प्रश्नकाल में पूछे जाने वाले तारांकित व अतारांकित प्रश्नों पर और वोटिंग प्रकिया पर भी चर्चा की गयी।

गुजरात से आये सन्दर्भ व्यक्ति मधूसूदन मिस्त्री द्वारा सत्ता के प्रकार– बल/ताकत, ज्ञान, धन और संगठन के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि संस्था/संगठन चुनावों के समय घोषणा पत्र बताने से पहले पार्टी नेता से मिलकर मुद्दे को उठाने के लिये कह सकतें है। मंत्रालय में मंत्रियों द्वारा की जाने वाली बैठक, बिल पास करने की प्रकिया व नियम इत्यादि के बारें में सहभागियों को विस्तार से जानकारी दी। टिस मुम्बई से मोनिका सखरानी ने घरेलू हिंसा, दहेज संबधी कानून, भरण–पोषण संबधी कानून, हिन्दू अधिनियम इत्यादि कानून व धाराओं पर सन्दर्भ दिया व चर्चा की और सहभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दिया। डाकन/डायन पर रोक लगाने संबधित कानून बनाने पर विस्तार से चर्चा कर सहभागियों द्वारा अपने–अपने विचार व्यक्त किये गये। अनु वर्मा जी द्वारा सीडॉ पर व विभूति पटेल, जिनी जी, शिराज जी और हसीना जी द्वारा महिला आन्दोलनों की पूर्व व वर्तमान स्थिति पर जानकारी व अनुभव सहभागियों के साथ बांटे गये व सहभागियों को सम्पूर्ण स्थिति से अवगत कराया गया। राजस्थान राज्य से राष्ट्रीय कमेटी प्रशिक्षण में लाली धाकड़, छग्गी बाई और सुशीला बड़ाला ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

lxBu u e>e tk'k o 'kfDr dk lpkj fd;k

सुशीला बाई गांव पिताखेड़ा पंचायत कोट किराणा में रहती हैं। वह एकल नारी शक्ति संगठन की ब्लॉक सदस्य व जिला कमेटी की सदस्य है। उसने फोन से संगठन की सदस्य कंकू देवी को बताया कि मुझे गांव का गूणेश सिंह पुत्र पूरण सिंह व सुरेश सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह व अन्य कुछ लोग फोन पर धमकिया देते हैं व मेरा घर छुड़वा रखा है। अभी सुशीला अपने काका ससुर के यहां रह रही है। यह सारी बात सुन सदस्य ने केस की गंभीरता को जान कर उदयपुर फोन कर सारी बात बताई।

इस पर संगठन सदस्य छग्गी बाई व कंकू देवी मिलकर पिताखेड़ा गये और बगड़ीगढ से कमला बाई राज्य स्तरीय सदस्य व मीरां बाई व अन्य ब्लॉक सदस्यों को भी बुलाया गया। सभी मिलकर सुशीला बाई से मिले और कहा कि अब सारी बात बताओं कि क्यों वह लोग आपके पीछे पड़े हैं। सुशीला बाई ने बताया की मेरे काका ससुर के लड़के है, उसे वे लोग किसी बात को लेकर पीट रहे थे। उन्होंने उसे बुरी तरह से घायल कर दिया व उसके कपड़े उतार कर नंगा कर दिया था। यह सब मेरे घर के बाहर ही हो रहा था। इसलिए मैंने बीच बचाव कर उसी समय टेक्सी करके उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां उसका ईलाज करवाया।

इसलिए वे लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने मेरा गांव छुड़वा रखा है और मिलने पर बुरी तरह से गाली देते हैं। रात को 12 बजे 1 बजे तक फोन पर गालियां देते हैं। धमकियां देते हैं कि तुझे तलवारों व बन्दूक से मार देंगे। तेरे परिवार वालों को और तुझे भी मार डालेंगे।

फिर ये सभी सदस्य सुशीला बाई को लेकर पुलिस थाना सेन्दड़ा गये। यहां सुशीला बाई ने अपनी रिपोर्ट प्रार्थना पत्र के साथ थाने में दी। वहां पर थानेदार साहब नहीं थे। इस पर सदस्यों ने कहा कि सुशीला बाई की समस्या है इस पर आप को कार्यवाही करनी है। उन्होंने जवाब दिया की जो भी है इस केस की पहले तहकीकात होगी फिर कोई कार्यवाही की जायेगी। इस पर सदस्यों ने एक साथ कहा कि आप अभी से कार्यवाही करते हो या नहीं। नहीं तो हम आगे जायेंगे। फिर पुलिस वालों ने सुशीला की बात सुनी। उन्होंने सुशीला से उन लोगों के फोन नम्बर लिये और उन लोगों से कहा कि आज के बाद धमकियां दी तो तुझे थाने में बंद कर देंगे। उसके बाद से सुशीला बाई आराम के साथ घर में रह रहीहै। संगठन की मदद से उसेमें जोश व हिम्मत बढ़ाई।

संगठन की कन्या बाई को मिला जमीन पर हक

कन्या बाई पानाहेड़ा ग्राम पंचायत, तहसील सांगोद की रहने वाली है। उनके पति हरिशंकर को मरे बारह साल हो चुके हैं। वह 6 साल तक अपने दो बच्चों के साथ पीहर में रहने के बाद एकल नारी शक्ति संगठन की मदद से पानाहैड़ा ग्राम पंचायत में रहती है।

कन्या बाई 4 साल से संगठन की सदस्य है। उसका देवर लेखराज जमीन में हिस्से की बात को लेकर कन्या बाई से गाली–गलौच और मारपीट करता था। इस पर एक बार उसे थाने में बंद कराया और पाबंद भी कराया। इसके बाद उसने कन्या बाई से किसी प्रकार की कोई मारपीट व गाली–गलौच नहीं की। लेकिन कन्या बाई के पास अपने गुजर–बसर के लिए कोई जमीन नहीं थी क्यों की उसके ससुराल वाले उसे जमीन में हिस्सा नहीं दे रहे थे। एक दिन कन्या बाई के कहने पर संगठन की सदस्याऐं उसके गांव में गई और उसकी सास से जमीन में हिस्से की बात की। इस पर ससुर मदन लाल ने कहा कि जमीन तो मेरी है, मेरे होते इसे जमीन कैसे दे दूं? सभी बहनों ने कन्या बाई की परेशानी के बारे में उसके ससुर को बताते हुए कहा कि आपको जमीन तो देनी ही होगी। लेकिन वह नहीं माना। ग्राम स्तर की मिटिंग के बाद मदन लाल के नाम की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई और उसके बाद थाने वालों ने समझाईश की तो मदन लाल ने कहा कि जमीन तो दे दूंगा लेकिन पहले जमीन नपवाने का आदेश लेकर आओ। उसके बाद संगठन सदस्य आदेश लेकर आये और उस पर साईन कराये और कन्या बाई के ससुर ने आदेश के 300 रूपये कन्या बाई से दिलवाये। दिनांक 05.05.2010 को जमीन नापने के दिन पटवारी नहीं आया और बहाना बनाता रहा क्यों कि वह मदन लाल का रिश्तेदार था।

इस प्रकार पटवारी ने दो महीने निकाल दिये। एक दिन उसे बुलाने पर उसने कहा कि मैं तो बीमार हूँ और कोटा के अस्पताल में भर्ती हूँ। संगठन सदस्यों को कुछ शक हुआ और कुछ सदस्याऐं उसके घर गई। रास्ते में ही वह पटवारी उसकी पत्नि के साथ मोटर साईकिल पर आता हुआ दिखाई दिया। बहनों के साथ कन्या बाई का देवर लेखराज भी गया था। उसने व बहनों ने पटवारी से समझाईश की और तब पटवारी मान गया। उसने 1/4 के हिसाब से बंटवारा किया इस प्रकार 6 बीघा जमीन कन्या बाई के कब्जे में आई। कन्या बाई ने जमीन में सोयाबीन की फसल उगा ली। अब कन्या बाई अपना गुजारा कर रही है और खुश है।

dfork,

विधवा बेटी अपनी मां से विनती करती है :–

म्हारो दुखड़ा सूं पिण्ड छुड़ावण दे,
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
म्हारो हिवडारो अवगुण मिटावण दे।
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
ना मैं मांगू माल मलिदा,
ना मैं मांगू माल मलिदा,
म्हंने मोठ बाजरो तो खावण दे, खावण दे।
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
ना मैं देखूं नाटक, सनिमा।
ना मैं देखूं नाटक, सनिमा।
म्हंने संगठन में ध्यान लगावण दे, लगावण दे।
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
निन्दा चुगली करे परणीया
निन्दा चुगली करे परणीया
म्हंने संगठन रा गीत गावण दे, गावण दे।
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
चाहे तु म्हंने कूट–मारले
चाहे तु म्हंने रोटी मत खावण दे,
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
आज बणाउं मूं तो राम रसोई
म्हारी बहना ने जीमण जिमावा दे
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
चालो जी बहन आपां मिटिंगां में चालां,
चालो जी बहन आपां मिटिंगां में चालां,
दुख सुखरी बात बतावणने
दुख सुखरी बात बतावणने
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे, जावण दे।
म्हारा दुखड़ा सू पिण्ड छुड़ावण दें,
म्हारा हिवड़ा रो अवगुण मिटावण दे,
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे,
म्हंने एकल नारी संगठन में जावण दे,

पुष्पा कुंवर

एकल नारी शक्ति संगठन,
कितना ताकतवर है, नजर मत डालना।
जिन्दगी भर साथ निभायेंगे भूल मत जाना।
शरीर भले कमजोर है, मन हैं मजबूत
विश्वास रखो बहनो मेरी, तुम हो मजबूत
एकल नारी शक्ति संगठन,
कितना सुन्दर है, नजर मत लगाना।
जिन्दगी भर साथ निभायेंगे भूल मत जाना।
एकल नारी शक्ति संगठन
जिन्दाबाद, जिन्दाबाद!

नमिता रॉय ब्लॉक किशनगढ़,
ग्रा0पं0–परानियां

विमला बाई की आवाज

मैं विमला निवासी अटरू, जिला बारां की हूँ। मैं एक बहुत गरीब परिवार की लड़की हूँ। मेरे पापा ठेला चलाकर हमारे परिवार का लालन–पालन करते थे। मेरी शादी कम उम्र में ही कर दी गई थी। मैं ससुराल में 5 वर्ष रही, मेरे एक लड़की है। मेरा पति शराब व स्मेक पीता है, वह मुझे शराब के नशे में मारता–पीटता था और मेरी बेटी के साथ भी मार–पीट करता था। घर का सामान बेच देता और कभी उसके दोस्तों को घर पर लाता और उनके साथ मुझे बैठने को कहता। जब मैं उसकी बात नहीं मानती तो वह मेरे साथ मारपीट करता। इस कारण मैं एक दिन पीहर में आ गई और फिर मैं वापस ससुराल नहीं गई। 2 साल तक पीहर रही। वहां मेरे पापा की आमदनी बहुत कम होने के कारण हमारा गुजारा ठीक प्रकार से नहीं चलता था। एक दिन मुझे एकल नारी शक्ति संगठन की बहन नन्दकंवर जी मिली। उन्होंने मेरी समस्या को ध्यान से सुना और मुझे एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्य बनने को कहा। फिर मैं एकल नारी शक्ति संगठन में जुड़ गई। उसके कुछ समय बाद मैं ब्लॉक कमेटी सदस्य बनी। संगठन की अन्य बहनों को देखकर मुझे भी अपनी शक्ति का अहसास होने लगा। मैं आठवी पास थी। आगे पढ़ना चाहती थी लेकिन मेरे पास फार्म भरने के लिए पैसे नहीं थे। यह बात संगठन की बहनों को बतायी तो उन्होंने पैसे इकट्टे कर के मुझे 10 वीं कक्षा का फार्म भरवाया। संगठन की सदस्यों की मदद से स्कूल में बात कर मुझे किताबे भी दिलवाई गई। अब मैं मन लगा कर पढ़ाई करने लगी और मेरी मेहनत रंग लाई। मैं 10 वीं कक्षा में पास हो गई। एक बार ग्राम पंचायत में आशा सहयोगिनी की जगह निकली तो मैंने भी भाग्य आजमाया और मेरा चयन आशा सहयोगिनी में हो गया। अब मैं मेरी बच्ची और मेरे घर का गुजारा बहुत अच्छी तरह से कर रही हूँ। ये सब संगठन की बहनों और संगठन की शक्ति का कमाल है कि आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हो पाई हूँ। मैं जीवन भर संगठन की आभारी रहूंगी।

–विमला

संगठन की बहनों को शिक्षा की ताकत के बारे में बताती है यह कविता

पढ़ल्यो री म्हारी बहनाओं थें,
आर्डर आयो री
बहना पढ़ल्यो री।।
पाणी भी भर ल्यो थे,
रोठी भी बणाल्यो री।
घर को काम करके,
जल्दी आओ री।
बहना पढ़ल्यो री।।
पढ्या लिख्या की कदर घणी,

कुर्सी पर बेठे री।
आपण भी तो वही मनख छां,
क्यों धूला म बेठ्या री।
बहना पढ्ल्यो री।।
बढ्ल्यो री म्हारी बहनाओं थें,
आर्डर आयो री।
बहना पढ्ल्यो री।

विद्या पारीक, भुवाखेड़ी तह0 छबड़ा, बांरा

करौली जिले में राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठक आयोजित

एकल नारी शक्ति संगठन की 2 दिवसीय राज्य स्तरीय सदस्य बैठक दिनांक 25–26 मार्च 2011 को शिव पैलेस, करौली में आयोजित की गई जिसमें 30 जिलों से राज्य स्तरीय कमेटी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में 4 माह के कार्यों, विशेष केस, सदस्य, बिल्ला व अन्य कार्यों के बारे में बताया जिसमें मुख्य रूप से निकल कर आया कि राजस्थान के 30 जिलों में 1221 नये सदस्य संगठन से जुड़े जिससे अब संगठन सदस्यों की संख्या 35,070 हो चुकी है।

सुशीला बड़ाला व धूली बाई द्वारा महाराष्ट्र सम्मेलन की रिपोर्ट में बताया कि राजस्थान में एकल नारी शक्ति संगठन के समान महाराष्ट्र राज्य में एकल महिला राज्य सम्मेलन दिनांक 7–9 फरवरी, 2011 को आयोजित किया गया। सम्मेलन में एकल महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की गयी व संगठन का ढांचा बताया गया। विशिष्ट अतिथि द्वारा कानून की जानकारी व एकल महिलाओं को सम्बल प्रदान किया गया। ब्लॉक कमेटी का गठन किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन एकल महिलाओं की मांग को लेकर रैली निकाली गयी और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। एकल नारी शक्ति संगठन की बहनों द्वारा संगठन की शुरूआत करने व संगठन का ढांचा, संगठन की सफलतायें व समस्याओं के बारे में महाराष्ट्र की बहनों के साथ अपने अनुभव बांटे। हिमाचल प्रदेश व बिहार से आयी बहनों ने भी अपने–अपने राज्य में एकल नारी शक्ति संगठन बनाने से संबधित अनुभव बांटे।

बैठक में जयपुर सम्मेलन के बारे में संभागियों ने बताया की सम्मेलन सफल रहा, 450 संभागी आये। मुख्य अतिथि मंत्री भरत सिंह व समाज कल्याण सचिव अदिती मेहता आईं और कई संदर्भ व्यक्तियों ने संदर्भ प्रदान किया। लॉबिंग, प्रेस कांफ्रेन्स भी की गई। ब्लॉक कमेटी प्रशिक्षण पर चर्चा की गई जिस पर संभागियों के बारे में निर्णय लिया की 6 ब्लॉक के सदस्यों का प्रशिक्षण होगा ताकि संभागी पूरे आये। दिनांक 4–6 जनवरी 2011 को मुम्बई गोरे गांव में हुए राष्ट्रीय कमेटी प्रशिक्षण के बारे में चर्चा की गई। एक्सिस बैंक वाले संगठन सदस्यों को आय संवर्धन प्रशिक्षण में मदद करना चाहते हैं, उसके साथ राजस्थान ग्रामीण आजिविका मिशन में सदस्यों को जोड़ने व अपनी मांग, किस तरह का कार्य महिला सीखना चाहती है, साथ ही परित्यकता सम्मेलन पर चर्चा की गई कि अध्ययन हो चुका है अब आगे सम्मेलन करना है यह भी निर्णय लिया गया कि सितम्बर 2011 में होना चाहिए।

कोटा में राज्य सरकार द्वारा एकल नारी शक्ति संस्थान को दिये गये महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र के बारे में संभागियों को बताया गया कि 1 अप्रेल 2011 से एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा यह केन्द्र संचालित किया जायेगां जहां संस्थान द्वारा नियुक्त दो परामर्शदात्री यहां परामर्श देंगी। पीड़ित महिलाऐं अपनी समस्याऐं लेकर यहां आ सकेंगी। 1 जून महिला सशक्तिकरण दिवस राजस्थान में धूमधाम से मनाये जाने पर चर्चा की गई व आयोजना तैयार की गई।

अंत में अगली राज्य स्तरीय कमेटी बैठक 27–28 जुलाई 2011 को जयपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया व गीत व नारों के साथ बैठक का समापन किया गया।

सदस्यों के हौंसले ने दिलाया मैथी बाई को न्याय

मैथी बाई अजमेर जिले के मसूदा पंचायत समिति की रहने वाली ब्लॉक कमेटी सदस्य है। मैथी बाई ने अपनी बेटी सम्मी का विवाह सूरजखान से किया था। सूरजखान अपराधी प्रवृति का आदमी था। वह शादी के बाद से ही अपनी पत्नि सम्मी के साथ व सास मैथी के साथ मारपीट कर उन्हें परेशान करने लगा। एक दिन रोड़ पर सम्मी से उसने मारपीट की और जमीन बेचने के लिए दबाव बनाया लेकिन सम्मी तैयार नहीं हुई। सूरजखान से परेशान होकर मैथी रात्रि में निकल कर अपने भाई के घर अन्य शहर में चली गई। इधर सूरजखान को मौका मिलते ही उसने मसूदा के देवड़ा नाम के प्रभावशाली व्यक्ति को ढाई लाख में जमीन बेच दी और अपनी पत्नि को फोन कर बता दिया। सम्मी के बताने पर मैथी बाई ने ब्लॉक कमेटी सदस्य छग्गी बाई से बात की। इस पर सदस्यों ने उसे न्याय दिलवाने के लिए ठान ली। ब्लॉक कमेटी के निर्णय के बाद कमेटी ने मीडिया वालों के साथ रिपोर्ट दर्ज करवाने गये तो वहां सी0ओ0 साहब ने कहा कि हम भी सूरजखान को ढूंढ रहे हैं क्योंकि वह अपराधिक है। उसी समय सी0ओ0 साहब ने देवड़ा को थाने बुलाया तो महिलाओं ने कहा कि जमीन को देवड़ा ने धांधली कर खरीदा है, उससे 3 लाख के स्थान पर 5 लाख रूपये दिलाये जायें।

लेकिन वह 3 लाख 50 हजार रूपये पर ही अड़ा रहा। दूसरे दिन 50 महिलाओं ने मिलकर उसकी बाउण्ड्री तोड़ दी। आखिर परेशान होकर देवड़ा ने समझौता किया और 5 लाख 70 हजार रूपये में फैसला हुआ। 50 हजार की राशि उसी समय देवड़ा ने दे दी। उसके बाद 5 जुलाई को शेष राशि मैथी बाई के बैंक खाते में जमा कराई। मैथी बाई ने 500 रूपये व देवड़ा ने 1100 रूपये की चंदा राशि संगठन में दी।

,dy ukjh 'kfDr lxBu dh lnL;k dh l[;k

क्र.सं.	जिला	ब्लॉक	सदस्य
1.	अजमेर	9	3858
2.	राजसमंद	5	1830
3.	सिरोही	3	824
4.	डूंगरपुर	5	908
5.	बांसवाड़ा	6	576
6.	उदयपुर	8	2725
7.	भीलवाड़ा	5	1781
8.	जोधपुर	5	903
9.	नागौर	2	1584
10.	जालोर	2	876
11.	पाली	3	827
12.	चित्तौड़गढ़	4	735
13.	टोंक	4	730
14.	बारां	6	2060
15.	बूंदी	4	1263
16.	अलवर	3	870
17.	सवाईमाधोपुर	5	894
18.	जयपुर	4	1046
19.	कोटा	6	1717
20.	दौसा	3	1008
21.	बाड़मेर	4	668
22.	सीकर	3	503
23.	चुरू	3	1893
24.	झालावाड़	5	2331
25.	जैसलमेर	3	986
26.	करौली	3	654
27.	प्रतापगढ़	4	566
28.	भरतपुर	3	321
29.	बीकानेर	1	82
30	हनुमानगढ़	1	51
		122	35070

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है, अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें –

,dy ukjh 'kfDr lxBu

irk %&

39, खारोल कोलोनी, उदयपुर–313004 (राज.)

फोन :0294–2451348 फैक्स :0294–2451391

3–पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा –324008

फोन : 0744–2450726 फैक्स : 0744–2329536

ईमेल : astha39@bsnl.in

ईमेल :enss_kota@yahoo.co.in

ईमेल :ensskota@gmail.com.in

Web : www.widowseparatedwomen.org